३. इनाम

– अरुण

'बिजली बचत की आवश्यकता' पर चर्चा कीजिए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

श्रवणीय

● विद्यार्थियों से बिजली से चलने वाले साधनों के नाम पूछें । ● बिजली का उपयोग अन्य किन-किन क्षेत्रों में होता है कहलवाएँ । ● बिजली की बचत की आवश्यकता पर चर्चा कराएँ । ● विद्यार्थी द्वारा किए जाने वाले उपाय बताने के लिए कहें ।

देशी कंपनी ने रेफ्रीजरेटर बनाया और उसकी प्रसिद्धि के लिए विदेशी विज्ञापन अपनाया । भारत भर में प्रतियोगिता का जुगाड़ किया । सवाल था– 'इस रेफ्रीजरेटर को खरीदने के क्या सात लाभ हैं ?' एक अप्रैल को फल निकलना था । जिस या जिन प्रतियोगियों का उत्तर कंपनी के मुहरबंद उत्तर से मेल खा जाएगा, उसे या उन्हें एक रेफ्रीजरेटर मुफ्त इनाम दिया जाएगा ।

भारत में धूम मच गई है । मेरे विचार से इतने उत्तर अवश्य पहुँचे कि उनकी रद्दी बेचकर एक रेफ्रीजरेटर के दाम तो वसूल हो गए होंगे ।

लॉटरी खुलने वाले दिन से पहली वाली रात थी । हम सब बाहर छत पर लेटे थे । हेमंत ने कहा, ''पिता जी, हम रेफ्रीजरेटर रखेंगे कहाँ ?''

पत्नी ने उत्तर दिया, ''क्यों, रसोई में जगह कर लेंगे । क्यों जी, तुमने बिजली कंपनी में दरख्वास्त भी दे दी है ? घरेलू पावर चाहिए उसके लिए ।''

मैं मुस्कराकर बोला, ''तुम तो खयाली पुलाव पका रहे हो । मानो किसी ने तुम्हें टेलीफोन पर खबर कर दी हो ।''

''हमारे टेलीफोन तो तुम ही हो ।'' पत्नी ने मस्का लगाया । ''इतने अच्छे लेखक के होते हुए कौन जीत सकेगा ?''

''पर यह क्या पता, मैंने कंपनी के उत्तरों से मिलते उत्तर लिखे हों ।''

''अच्छा जी, अब हमसे उड़ने लगे । उस दिन खुद कह रहे थे कि कंपनी के पास लिखा लिखाया कुछ नहीं है, यह तो जिसका उत्तर सबसे अच्छा होगा उसे इनाम दे देगी । रेफ्रीजरेटर का विज्ञापन हो जाएगा और लाभ छाँटने के लिए किसी एक्सपर्ट को रखना पड़ता और उसके पैसे अलग बचेंगे ।''

''वह तो समय-समय पर दिमागी लहरें दौड़ती हैं ।''

अमिता ताली पीटकर बोली, ''पिता जी, मैं रोज आइसक्रीम खाया करूँगी ।'' हेमंत ने कहा, ''मैं बर्फ के क्यूब चूसूँगा ।''

तभी बगल की छत से आवाज आई, ''यह आइसक्रीम रोज-रोज कौन बना रहा है ? क्या अमिता के पिता जी रेस्ट्राँ खोल रहे हैं ?''

हेमंत चिल्लाया, ''नहीं ताऊ जी, कल हमारा रेफ्रीजरेटर आ रहा है ।''

अमिता भी खिलखिलाई, ''उसमें रोजाना आइसक्रीम जमाया

परिचय

जन्म : ३ जनवरी १९२८ मेरठ (उ.प्र.)

परिचय : कहानीकार, उपन्यासकार अरुण जी ने विविध विधाओं पर भरपूर लेखन किया है। आपके समग्र साहित्य की १४ पुस्तकों का संकलन प्रकाशित हो चुका है ।

प्रमुख कृतियाँ : मेरे नवरस (एकांकी संकलन) वृहद हास्य संकलन (कहानी संग्रह) विशेष उल्लेखनीय है ।

गद्य संबंधी

हास्य-व्यंग्यात्मक निबंध : किसी विषय पर तार्किक, बौद्धिक विवेचनापूर्ण लेख निबंध है । हास्य-व्यंग्य में उपहास का प्राधान्य होता है ।

प्रस्तुत पाठ में लेखक ने रेफ्रीजरेटर का आधार लेकर समाज की विभिन्न विसंगतियों पर हास्य के माध्यम से करारा व्यंग्य किया है ।

ताऊ जी ने कहा, ''क्या लॉटरी वाले की बाबत कह रहे हो ? वह तो मेरे नाम आ रहा है ।''

मैंने नम्र स्वर से पड़ौसी दीनदयाल को पुकारा, ''क्या आपने भी उत्तर भर कर भेजा है ?''

''हाँ ! क्योंकि मेरा उत्तर तुमसे सही है इसलिए रेफ्रीजिरेटर मिलेगा तो मुझे ! खैर बच्चो ! आइसक्रीम तो तुम्हें खिलानी ही पड़ेगी ।''

बच्चे मायूस हो गए ।

किस्मत की बात है, अगले दिन लॉटरी खुली और रेडियो पर पता चला कि जिसके सब उत्तर ठीक है, उन दो भाग्यवानों में से एक मैं हूँ ।

रेफ्रीजरेटर मुंबई से आते-जाते काफी दिन लग गए । इतने में मैंने बिजली का प्रबंध कर लिया । उसका आना था कि सगे और संबंधियों में, मित्रों और मोहल्ले में धूम मच गई । सब देखने आने लगे जैसे कोई बहू को देखने आता है । मुझे शक है यदि मैं अपने कमाए पैसों से खरीदता तो भी ऐसी भीड़ लगती क्या ? यह सब लॉटरी का प्रताप था ।

पहले आने वालों को पत्नी ने शिकंजी बनाकर पिलाई, कुछ शौकीनों के लिए चाय बनी । भीड़ बढ़ती गई तो घबराकर उसने हथियार टेक दिए ।

झाँकी देखने वालों का ताँता बँधा था । एक जाता था, दो आते थे ।

बच्चों ने पहले से बोतलें इकट्‌ठी करके रखी थीं । आठों में पानी भर कर रखा हुआ था । परंतु वे पल-पल में खाली हो रही थीं, पानी कैसे ठंडा होता । दिनेश ने छींटा छोड़ा, ''अबे, यह तो पानी को गरम बना रहा है ।''

मैं हँस कर बोला, ''भीड़ नहीं देखी, हम खुद गरम हो रहे हैं । पानी रखे मुश्किल से एक मिनट हुआ होगा ।''

लकीर की फकीर बोलीं,''क्यों बेटा, किस देवी की मानता मानी थी ? हमें भी बता दें ।''

कुढ़मगज ने सुनाया, ''भई, मैंने भी उत्तर लिख रखे थे किंतु कोई आए और लेकर चलते बने । मैंने फिर दुबारा दिमाग पर जोर नहीं डाला ।''

उनके साथी ने पूछा, ''कहीं अरुण तो नहीं उठा लाया ?''

''नहीं, नहीं ! पर क्या कहा जा सकता है ! यह मैं जानता हूँ कि वे सब जवाब बिलकुल ठीक थे ।''

जला भुना बोला, ''जब बिजली का बिल आएगा तब बच्चू को पता लगेगा कि सफेद हाथी बाँध लिया है ।''

शक्की ने कहा, ''मुझे पता है, अरुण का रिश्तेदार कंपनी में नौकर है । उसने असली जवाब इसे चुपके से लिख भेजे कि मुफ्त का रेफ्रीजरेटर घर में ही रह जाए ।''

एक तो लगातार लोगों का आना परेशान कर रखा था, दूसरे इस जली-कटी ने काँटों में डंक का काम किया । हम दोनों बिलबिला उठे ।

एक बिगड़े दिल ने हेमंत को पुचकार कर पूछा, ''क्यों बेटे, तुम्हारे

मौलिक सृजन

'प्राकृतिक संसाधन मानव के लिए वरदान', इस विषय पर स्वमत लिखिए ।

आसपास

आपके गाँव-शहर को जहाँ से बिजली आपूर्ति होती है, उस केंद्र के बारे में जानकारी प्राप्त करके टिप्पणी तैयार कीजिए ।

जली-कटी ने काँटों में डंक का काम किया । हम दोनों बिलबिला उठे ।

एक बिगड़े दिल ने हेमंत को पुचकारकर पूछा, ''क्यों बेटे, तुम्हारे पिता जी कितने दिन पहले मुंबई गए थे ?'' उसे निश्चय था कि मैं मुंबई जाकर इस रेफ्रीजरेटर के पैसे दे आया हूँ और अपने नाम के लिए इसे लॉटरी में जीतने का अनुबंध कर आया हूँ । बच्चे से यह तिरछा सवाल पूछकर उससे कबुलवाना चाहते थे ।

बच्चों को इन झगड़ों से क्या? वे हँस-हँसकर अपना रेफ्रीजरेटर सबको दिखा रहे थे । हेमंत बोतलों से पानी पिला रहा था और अमिता खाली बोतलें भरकर लगा रही थी ।

खैर, राम-राम करके उस दिन के टंटे से तो पीछा छूटा । लेकिन आगे क्या आने वाला था, उसका हमें आभास भी न था ।

शांति बुआ ने शुरुआत की । उनके हाथ में ढँका कटोरा था । आवाज लगाती चली आई, ''ओ बहू, कहाँ है ? जरा इधर तो सुन ।''

कल के भंभड़ से आज की शांति बड़ी प्यारी लग रही थी इसलिए हम दोनों का मूड ठीक था । पत्नी ने बड़े स्वागत से उन्हें बिठाया, ''बैठिए बुआ जी बैठिए । अजी, जरा बोतल से पानी भेजना ।''

बुआ जी बड़ी जल्दबाज हैं । ठंडा पानी पीकर उठ गईं । ''चल रही हूँ बहू । अभी चूल्हा नहीं बुझाया । यह आटा बच गया था, गर्मी में सड़ जाता । मैंने कहा, तेरे रेफ्रीजरेटर में रख आऊँ, शाम को मँगा लूँगी ।''

पत्नी का दिल बाग-बाग हो गया । शब्दों में मिसरी घोलकर बोली, ''बुआ जी, आप चिंता न करें । मैं शाम को हेमंत के हाथ भिजवा दूँगी ।''

कटोरा ले लिया गया और रेफ्रीजरेटर में रख दिया गया ।

उसी संध्या को लाला दीनदयाल पधारें । उनके हाथ में मिठाई का बोइया था । गुस्से के मारे वे पहले दिन नहीं आए थे इसलिए उन्हें देखकर मुझे दुगुनी खुशी हुई । सोफे पर टिकाते हुए बोला, ''कहिए लाला जी, अच्छी तरह से ?''

''सब भगवान की कृपा है । तुम तो ठीक-ठीक हो ।''

''आपकी दया है ।''

''सुना है, तुम्हारा रेफ्रीजरेटर आ गया है ?''

''हाँ जी, आपकी दुआ से लॉटरी में जीत गया । आइए देखिएगा ?''

वे बैठे रहे । देखकर क्या करूँगा ? विदेश की नकल की होगी ।''

मैं चुप रहा । पत्नी के कानों में बच्चों ने भनक डाल दी कि बगलवाले ताऊ जी आए हैं । आम की आइसक्रीम तश्तरियों में लगाकर चली आई । ''लाला जी, लीजिए । सवेरे जमाई थी ।''

''नहीं बेटी, मुझसे नहीं खाई जाएगी ।''

मैंने भी जोर दिया, ''लीजिए लाला जी, थोड़ी तो लीजिए ।''

संभाषणीय

'ईंधन की बचत, समय की माँग है' इस विषय पर निम्न मुद्दों के आधार पर अपना मत व्यक्त कीजिए ।

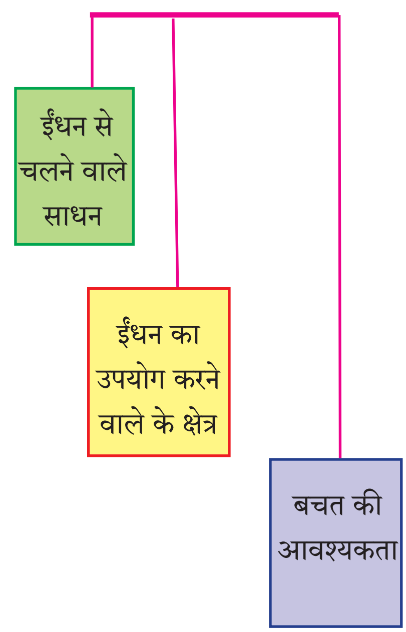

''मैं आइसक्रीम नहीं खाता, दाँत चीसने लगते हैं ।''

बात साफ झूठी थी । किंतु जब भला आदमी इनकार कर रहा था तब हम जबरदस्ती कैसे करते और फिर मैं अकेला खाता क्या अच्छा लगता ? ''विमला, इसे ले जाओ । बाँट दो, नहीं तो पिघल जाएगी ।''

मोहल्ले में समाचार उड़ती बीमारी से भी तेज फैलते हैं । हमारे फ्रिज का यह उपयोग पता चलते ही फिर लाइन बँध गई । कोई रोटी ला रहा है, कोई पराठे, तरह-तरह के साग, नाना प्रकार की मिठाइयाँ । चमनलाल लखनऊ गए तो टोकरा भर करेले ले आए क्योंकि मेरठ में अभी नहीं मिल रहे थे । बनर्जी कोलकाता से संदेश और खीर महीने भर के लिए ले आए ।

रेफ्रीजरेटर में हमें अपनी चीजों के लिए जगह न के बराबर मिलती थी, इसकी कोई चिंता नहीं । दुख तो इस बात का था कि हमारे घर की प्राइवेसी छिन गई थी । नहाना, खाना भी हराम हो गया था ।

बड़े परेशान ! करें तो क्या करें ? समझ में नहीं आता था । जी करता था किसी को रेफ्रीजरेटर दे दूँ और फिर उसकी मुसीबत देखकर ताली पीट-पीटकर नाचूँ । किंतु उसमें लोगों की अमानत जो पड़ी थी ।

चिंता ने चेतना की चिता सजा दी ।

उस दिन कैलाश आया । मोहल्ले में रहता था, पर मोहल्लेदार से अधिक था । कहने लगा, ''सिंधी आलू मुझे बड़े अच्छे लगते हैं, सो पत्नी से काफी बनवा लिए हैं । अपने फ्रिज में रख लो, जिस दिन खाने को जी करेगा ले जाया करूँगा ।''

उस दिन रेफ्रीजरेटर में तिल रखने की जगह न थी । मैंने उसे अपनी बेबसी बताई । बिगड़कर बोला, ''अच्छा जी, ऐरे-गैरे नत्थू खैरे तो तुम्हारे बाबा लगते हैं और यार लोगों की चीजें रखने को लाचारी है ।''

मैंने पत्नी से आँखों-आँखों में पूछा । उसने में सिर हिला दिया ।

वह भाँप रहा था । ''अच्छा, मुझे दिखाओ । मैं जगह कर लूँगा ।''

हम दोनों उसे निराश करते हुए वास्तव में दुखी थे । यह सुझाव खुद न देने की मूर्खता कर गए थे । खुश होकर फ्रिज खोलकर दिखा दिया ।

फ्रिज भरा नहीं कहिए, व्यंजनों से अटा पड़ा था । देखकर तबीयत घबराती थी ।

कैलाश ने ऊपर नीचे झाँका । दृष्टि भी अंदर घुसने से इनकार कर रही थी । सहसा उसने एक काँच का कटोरा निकाला और विमला से पूछा, ''भाभी जी, ये सिल्वर क्रीम किसकी है ?''

''अपनी है ।''

''तो फिर इन्हें रखने का क्या फायदा ? ऐसी चीज तो पेट में पहुँचनी चाहिए ।''

कहकर उसने दो मुँह में रख लीं ।

बाकी दो बची थीं । हेमंत-अमिता स्कूल गए थे और उसे जगह करनी

लेखनीय

समुद्री लहरों से विद्‌युत निर्मिति के बारे में टिप्पणी तैयार कीजिए । संदर्भ यू ट्‌यूब से लीजिए ।

पठनीय

दैनंदिन जीवन में उपयोग में लाए जाने वाले विविध उपकरणों के आविष्कारकों और उनके कार्यो की जानकारी प्राप्त करके पढ़िए ।

थी इसलिए उन्हें हमने उदरस्थ किया ।

दो-तीन दिन में फ्रिज खाली हो गया । उसमें केवल हमारी चीजें थीं ।

शांति बुआ अपना पनीर मटर लेने आईं । ''क्या करें बुआ जी उसमें मच्छर गिर गए थे इसलिए फेंक दिया ।''

रामानुज ने मिठाई माँगी तो माफी माँगने लगा, ''चाचा जी, बड़ा शरमिंदा हूँ । कल तीन-चार मित्र आ गए थे । बाजार जाने का मौका न मिला । आपकी मिठाई से काम चला लिया । फिर मैं आपमें और अपने में कोई भेद नहीं मानता ।'' ये शब्द उन्हीं के थे जब वे मिठाई रखने आए थे ।

साग लेने चक्रवर्ती आए तो लाचारी दिखाई, ''भाई, तुम्हें तो पता है कल कैसी धुआँधार बारिश थी । पत्नी बोली-''जब घर में साग रखा है तब भीगने से क्या फायदा । जैसा उन्होंने खाया वैसा हमने ।''

रमा पराठे को पूछ रही थी, विमला ने उत्तर दिया, ''सवेरे-ही-सवेरे एक साधु आ गए । बड़े पहुँचे हुए साधु थे । खाली हाथ कैसे जाने देती । घर में कुछ तैयार नहीं था । तुम्हारे पराठे दे दिए ।''

रमा ने शंका उपस्थित की, ''किंतु तुम तो साधु-संतों में विश्वास नहीं करतीं ?''

विमला ने बात बनाई, ''वह फिर सारे मोहल्ले को तंग करता । मैंने पराठे तुम्हारी ओर से उसे दिए हैं । तुम्हारे घर का पता बता दिया है । झूठ समझो या सच, कल-परसों वह जब तुम्हारे घर आकर आज के पराठे के लिए आशीष देगा और भोजन माँगेगा तब तुम्हें मानना पड़ेगा ।''

मैंने कहा न, मोहल्ले में समाचार उड़ती बीमारी की भाँति फैलते हैं । अब मेरे घर के पास भी कोई नहीं फटकता ।

—०—

स्वमत -अगर तुम्हें 'पर्वतारोहण' का मौका मिले तो ...

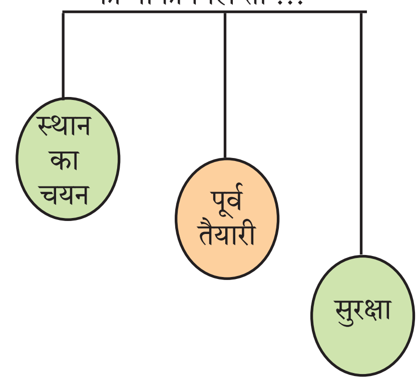

विषय से...

आपके परिवार के किसी वेतनभोगी सदस्य की वार्षिक आय की जानकारी लेकर उनके द्‌वारा भरे जाने वाले आयकर की गणना कीजिए ।
(गणित, नौवीं कक्षा पृष्ठ १००)

शब्द संसार

जुगाड़ (पुं.सं.) = व्यवस्था, प्रबंध
दरख्वास्त (स्त्री.सं.) = अर्ज, अरजी
भंभड़ (पुं.सं.) = शोरशराबा
अमानत (सं.स्त्री.अ.) = धरोहर

मुहावरे

जली-कटी सुनाना = खरी-खोटी सुनाना
मिसरी घोलकर बोलना = मीठी-मीठी बातें करना
खयाली पुलाव पकाना = कल्पना में खोए रहना, स्वप्नरंजन

कहावत

ऐरे गैरे नत्थू खैरे = महत्वहीन

पाठ के आँगन में

(१) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(क) पाठ में आए और हिंदी में प्रयुक्त होने वाले पाँच-पाँच विदेशी एवं संकर शब्दों की सूची बनाइए :

सूची	
विदेशी शब्द	संकर शब्द
१.	
२.	
३.	
४.	
५.	

(ख) वाक्य में कि, की के स्थान को स्पष्ट कीजिए-
'माँ ने कहा कि बच्चों ने आम की आइसक्रीम तैयार की ।'

कि - ---------

की- ---------

की- ---------

(ग) रेफ्रीजरेटर आने के पूर्व घरवालों के विचार -

१.
२.
३.
४.

8NIH76

घ) रेफ्रीजरेटर आने के बाद घर की स्थिति-

१.
२.
३.
४.

पाठ से आगे

प्रशंसापत्र / पुरस्कार/ इनाम के प्रसंग का कक्षा में वर्णन कीजिए।

भाषा बिंदु

दिए गए अनुसार रचना की दृष्टि से सरल, संयुक्त, मिश्र अन्य वाक्य पाठ से खोजकर तालिका पूर्ण कीजिए :-

सरल वाक्य

१. मैंने एक दुबला-पतला व्यक्ति देखा ।
२. कैलाश ने ऊपर- नीचे झाँका ।
३. ________________
४. ________________

संयुक्त वाक्य

१. गौतमी ने कहानी सुनाई और गीता रो पड़ी ।
२. कोलकाता के संदेश और खीर महीने भर के लिए ले आए ।
३. ________________
४. ________________

मिश्र वाक्य

१. उसने कहा कि मैं परिश्रमी हूँ ।
२. उसका आना था कि सगे-संबंधियों में धूम मच गई ।
३. ________________
४. ________________

रचना बोध

....
....
....